M.A. Examination, 2018
Semester-IV
Hindi
Course : XVI
(प्रेमचंद)

Time : 3 Hours **Full Marks : 40**

Questions are of value as indicated in the margin

1. निम्नलिखित अवतरणों में से किन्हीं **दो** की आलोचनात्मक व्याख्या कीजिए – 2×8=16

(क) वह स्वाधीन है, मेरे पैरों में बेड़ियां हैं। उसकी दुकान खुली है, इसलिए ग्राहकों की भीड़ है, मेरी दुकान वंद है इसलिए कोई खड़ा नहीं होता। वह कुत्तों के भूकने की परवाह नहीं करती मैं, लोक निन्दा से डरती हूं।

अथवा

कृतज्ञता हमसे वह सब करा लेती है, जो नियम की दृष्टि में त्याज्य है यह वह चक्की है, जो हमारे सिद्धांतों और नियमों को कुचल डालती है। आदमी जितना ही निःस्पृह होता है उपकार का बोझ उतना ही असहाय होता है।

(ख) ऐसा न्याय तो किसी राज्य में नहीं देखा। छोटे बड़े सब बराबर। राजा भी किसी पर अन्याय करे, तो अदालत उसकी भी गर्दन दबा देती है।

(ग) किसने बुलाया था इस निगोड़ी ईद को। इस घर में उसका काम नहीं है लेकिन हामिद! उसे किसी के मरने-जीने से क्या मतलब? उसके अंदर प्रकाश है, बाहर आशा। विपत्ति अपना सारा दल बल लेकर आए, हामिद की आनंद भरी चितवन उसका विध्वंस कर देगी।

(घ) मगर कितने अफसोस की बात है कि अभी से कौम ने उनकी नसीहतों को भूलना शुरू किया, और बह नापाक, जो उनकी-मसनद पर बैठा हुआ है आज खुले बंदो शराब पीता है।

2. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** के उत्तर दीजिए – 2×12=24

(क) 'सेवासदन' की सुमन का चरित्र चित्रण कीजिए।

(ख) वस्तुशिल्प की दृष्टि से 'प्रेमाश्रम की समीक्षा कीजिए।

(ग) कर्बला नाटक की सोथेश्यता पर विचार कीजिए।

(घ) 'सद्गति' अथवा 'दो बैलों की कथा' कहानी की शिल्पगत समीक्षा कीजिए।

(ङ) प्रगतिशीलता की दृष्टि से 'साहित्य का उद्देश्य' निबंध की समीक्षा प्रस्तुत कीजिए।